JSC-3-HI

मसीह के न्याय आसन के सामने आपको क्या प्रतिफल और न्याय मिल सकता है - प्रोग्राम 3

अनाऊंसर: वचन में विश्वासियों से कहा गया है, कि हम सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने जाना होगा, लेकीन इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए पूरा दाम नही चुकाया और परमेश्वर उन्हें फिर स्मरण नही करता?

यदि ऐसा है तो फिर विश्वासियों का न्याय मसीह के द्वारा क्यों होगा? इस न्याय का उद्धार से कोई संबन्ध नही है/ उद्धार तो पूरी तरह से परमेश्वर का मुफ्त का वरदान है, जिस पल कोई मसीह में विश्वास करता है वो इसे उसी पल पाता है/

लेकिन मसीह के न्याय आसन का संबन्ध इससे है कि उसने हमें उद्धार देने के बाद हम मसीह के लिए कैसे जीए, मसीह के लिए हम ने जो भी किया उसका मुल्यांकन कर प्रतिफल दिया जाएगा/

बाइबल कहती है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने प्रकट होना होगा, कि हरकोई जिसे जो मिलना चाहिए वो पा सके, जो उन्होंने शरीर में किया था, चाहे भला या बुरा हो/

हम समझ सकते हैं कि हम ने जो उसके लिए भला किया है उसका प्रतिफल हम पाएगे, लेकिन इसका क्या अर्थ है जब बाइबल कहती है कि हम ने जो बुरा किया है उसका भी हम प्रतिफल पाएगे? क्या अविश्वासयोग्य विश्वासी विश्वासयोग्य विश्वासी जैसे प्रतिफल नही पाएगे?

लेकिन क्या मसीह के न्याय आसन के सामने आँसू होंगे? क्या प्रतिफल, आदर और सौभाग्य खो दिए जाएंगे, जो स्वर्ग में पुरे अनंतकाल तक हमारे स्थर को निश्चित करेगा?

बाइबल से इन सवालों का जवाब देने में मदत करने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉ/ अरविन लुथजर हैं, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर, शिकागो, इलेनॉय से, हम इस बात को देखेंगे कि जब यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने आपके जीवन का मुल्यांकन करेगा तो क्या पाएगा/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, यदि आप विश्वासी हैं, क्या आप जानते हैं कि बाइबल कहती है कि किसी दिन हम मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होगे, क्यों? इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या मसीह ने आपके सरे पापों को क्षमा नही किया है? आज मेरे मेहमान हैं, मेरे दोस्त, डॉ अरविन लुथजर, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर हैं शिकागो इलेनॉय से/ मैंने अरविन से पूछा की ऐसा क्यों है कि बहुत से विश्वासियों को गलत समझा गया है, मसीह के न्याय आसन की गंभीरता और महत्व के बारे में? ये जवाब है, मैं चाहता हूँ कि आप सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, मेरी सेवकाई में मैं इस बात को देखकर चकित होता हूँ कि बहुत से लोग ये नही समझते हैं कि हम सब विश्वासी होने के नाते, यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होगे कि शरीर में जो का किए उसका लेखा दे, चाहे अच्छे या बुरे हो/ मुझे बहुत से लोगों ने आकर कहा कि किसी भी तरह से यीशु मसीह हमारा ऐसे न्याय नही कर सकता है, क्योंकि हमारे पाप क्षमा किए गए हैं, हाँ हमारे पापो नैतिक रूप में क्षमा किए गए हैं और परमेश्वर उसे हमारे विरोध में नही रखता है, लेकिन उसकी सन्तान होने के नाते वो अभी भी हमारा मुल्यांकन करता है,और बाइबल कहती है पहला कुरिन्थियो अध्याय 3 में, कि कुछ लोग होगे, जब न्याय होगा, याने अब विश्वासीयों के बारे में कह रहा है, वो बचाए तो जाएंगे, लेकिन जलते जलते/ तो वो कहता है कि वो हानि उठाएंगे/

याने हम याद रखे कि न्याय तो पूरी तरह से होगा जैसे हमने पिछले प्रोग्राम में चर्चा की है, ये तो ऐसा न्याय होगा जो सबकुछ प्रगट करेगा, हम किस तरह के लोग हैं ये वो दिन घोषित करेगा, और आज मैं किस तरह से जीता हूँ ये निवेश करेगा,कि मैं राज्य में किस जगह रहूँगा, अनन्तकाल के लिए, चलिए कहते हैं कि स्वर्ग में सब लोग खुश होगे, सब प्रभु की सेवा करते हैं, लेकिन ऐसे लोग होगे जिन्हें दूसरों की तुलना में बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी जो हम अगले प्रोग्राम में देखनेवाले हैं, उनकी विश्वासयोग्यता के कारण, याने आज हम यही तो कह रहे हैं, ये बहुत महत्वपूर्ण और बुनियादी है, और यदि आप मसीह में विश्वास करनेवाले नही है, तो आप इस न्याय में नही होगे, आप दूसरे न्याय में होगे जिसे बाइबल महान श्वेत सिंहासन का न्याय कहती है/ और इसके लिए परमेश्वर के प्रकाशन के लिए आपका प्रतिउत्तर क्या है, इसका न्याय तो इस बात पर होगा कि आपको जो दिया गया है उसके साथ आपने क्या किया है, लेकिन दुर्भाग्यवश आप सदा के लिए खो जाएगे, तो याद रखिए, दो

अलग न्याय है, दोअलग तरह के लोग हैं. और आज जॉन, हम विश्वासियों के लिए यीशु मसीह के न्याय आसन के बारे में कह रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब इन प्रोग्राम के माध्यम से हम उस प्रतिफल के बारे में कह रहे हैं, जो आप मसीह के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं, जब आप विश्वासी के नाते उसके न्याय आसन के सामने खड़े होगे/ अब आप जो सुननेवाले हैं वो बैक ग्राउंड है, इस आधार पर परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है, कि वो हर विश्वासी को छोटे से छोटे काम के लिए प्रतिफल देगा/ ये बहुत महत्वपूर्ण हैं तो मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान से सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, जॉन जब मैं इस विषय के बारे में कहता हूँ कि जब हम मसीह के सामने खड़े होते तो हम क्या पा सकते हैं, मुझे ये कहना होगा कि मैं अपनी कल्पना की सीमा तक पहुंच गया हूँ, ये मेरे मन को परेशान करता है, और मैं सोचता हूँ कि बहुत से विश्वासी जो आज सुन रहे हैं, शायद आपने इसे पहले कभी नही सुना है, अब, इसके बारे में कहते हुए इसे स्थापित करने के लिए मुझे इसकी पृष्टभूमि के बारे में आपको कुछ बताना होगा, याद है जब आदम और हव्वा को बनाया गया, बाइबल कहती है कि आदम बनाया गया और फिर परमेश्वर ने उसके लिए एक सहायक ढूंडा, और अवश्य ही आदम को ये सहायक जानवरों के बिच नही मिला, तो परमेश्वर ने उससे हव्वा को बनाया, और उसने स्त्री को पुरुष से अलग किया/ और हव्वा बनाई गई और वो आदम के साथ एक हो गई, याने ये दो एक शरीर हो गए/

अब आप अवश्य ही जानते हैं कि पाप ने सारे चित्र को बर्बाद किया/ लेकिन यीशु मसीह इस पृथ्वी पर आता है और पौलूस कहता है कि मसीह दूसरा आदम है, और वो आता है जिसके बारे में हम कह सकते हैं कि पहले आदम की गडबडी को दूर करने के लिए आता है, और जब यीशु मसीह आकर मरता है, भूतकाल के अनन्तकाल में परमेश्वर ने मसीह से प्रतिज्ञा की थी, कि छुडाए गए मनुष्य जाती का वरदान देगा/ इसे हम मसीह की दुल्हन कहते हैं, ये चर्च है, और मसीह की दुल्हन का उद्देश्य है,मसीह की दुल्हन का मुख्य लक्ष्य यही है, कि वो मसीह के साथ राज्य करने पाए, संसार के सिंहासन पर बैठकर राज करे/

जानते हैं, जॉन प्रकाशितवाक्य में एक वचन है, मैं कहूँगा कि बहुत से वचन हैं, जो हमें हमारे विचारों की सीमा तक लेकर जाता है, ये यही तो कहता है, जो जय पाए उसे मैं अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा, जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया/ ये है प्रकाशितवाक्य अध्याय 3 वचन 21,

वचन जो कह रहा है क्या हम उसे समझ रहे हैं? कि यदि हम जय पाए तो हम यीशु मसीह के साथ उस के सिंहासन पर बैठेंगे? जैसे वो जय पाकर, अपने पिता के सिंहासन पर बैठ गया, जॉन, इसका अर्थ है कि हम संसार के सिंहासन पर विराजमान होने वाले हैं/ परमेश्वर के सिंहासन पर/

अब इसका न्यू एज की शिक्षा से कोई संबन्ध नही है, जो मनुष्य के ईश्वर होने के बारे में कहता है और मनुष्य की महानता के बारे में कहता है, नही ये सब तो परमेश्वर के अतुल्य अनुग्रह के द्वारा है, जिसने हमें हमारे पापों की गंदगी से निकाला, और हमें शुद्ध किया, और फिर हमें उठाकर परमेश्वर का वारिस और मसीह का संगी-वारिस बनाया, और मसीह की दुल्हन बनाया कि हम उसके साथ बैठ सके, कि हम नैतिक रूप में उसके समान हो सके, खैर हम कभी भी यीशु मसीह के तुल्य नही होगे, जानते हैं, क्योंकि हम सृष्टि हैं और वो सृष्टिकर्ता है, मेरे कहने का अर्थ है कि हम यीशु मसीह के साथ राज्य करेंगे, जो जय पाएगा उसे मैं सारी चीजों का अधिकारी बनाउगा ऐसे एक वचन कहता है/

लेकिन इसका यही अर्थ होता है,ये तो परिवार की मजबूती के कारण है, कि हमारे पास ये सौभाग्य है, देखिए स्वर्गदूत के पास ये सौभाग्य नही है, और बाइबल कहती है कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे, इस तरह से नही कि उनका न्याय होना चाहिए, लेकिन इस तरह कि हम उन पर राज्य करेंगे, स्वर्गदूतों के पास ये सौभाग्य क्यों नही है? क्योंकि स्वर्गदूत तो मसीह के भाई नही है/ और परमेश्वर उनका पिता नही है, और उनके चाचा- चाची और रिश्ते के भाई नही होते हैं, जैसे दादा- दादी, नाना-नानी हो, और ये तो इस सच्चाई के कारण कि यीशु हम में से एक हो गया, हमारा भाई होने के द्वारा जैसे वचन कहता है, इसलिए जब संसार की ये टाइटल डीड पढ़ी गई, हम उसके भाई हैं, परमेश्वर हमारा पिता है, हम परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस हैं, हमें वहां होना होगा कि हम अपनी विरासत के बारे में सुन सके, और हम आनन्द मनाएंगे, इस सौभाग्य में कि हम उसके साथ रह सकते हैं, अब वचन तो बहुत ही स्पष्ट है, कि हमें मसीह के जैसे होना है, इस हद तक कि सृष्टि अपने सृष्टिकर्ता जैसी हो जाए/ और मसीही के साथ सहभागी हो, इस पुरे संसार पर राज्य करने में, हमें मसीह के न्याय आसन पर यही तो प्राप्त करना है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब मैं सोचता हूँ कि आप जानते हैं कि बाइबल कहती है, कि चर्च यीशु मसीह की दुल्हन है, जब हम स्वर्ग में जाएंगे तो एक घटना होगी जिसे मेमने का विवाह भोज कहते हैं, जहाँ विश्वासी लोग सदा के लिए मसीह के साथ जुड़ जाएगे, सब लोग विवाह में अच्छे वस्त्र पहनते हैं, दुल्हन ने क्या पहना ये

महत्वपूर्ण होता है, विश्वासी जो चर्च का भाग है, वो जो मसीह की दुल्हन होता है, तो आप क्या पहनेंगे? और आपको अपने वस्त्र कहाँ से मिलेगे? बाइबल इस सवाल के लिए दिलचप्स जवाब देती है, इसे सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बाइबल कहती है कि मेमने के विवाह का भोज होगा, मैं विश्वास करता हूँ कि ये रैपचर के बाद होगा, हम यीशु मसीह के साथ स्वर्ग में होगे और सारे विश्वासी, जो चर्च के हैं वो उपस्थित होगे, लेकिन बहुत से लोग इस वचन को जल्दी ही पढ़ते हैं, जो प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 में है, और वो नही जानते हैं कि दुल्हन कौनसा वस्त्र पहने हुए हैं/ गौर से सुनिए/

आओ, हम आनन्दित और मगन हो और और उसकी स्तुति करें, क्योंकि मेमने का विवाह आ पहुंचा है, और उसकी दुल्हन ने अपने आपको तैयार किया है, उसको शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहनने का अधिकार दिया गया, क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्र लोगों के धर्म के काम हैं/ बहुत से लोग ये पढ़ते हैं और सोप्चते हैं, महीन मलमल तो यीशु मसीह की धार्मिकता है, लेकिन वचन ये नही कहता है/

अब इसके बारे में बहुत ही स्पष्ट हो जाए, आपको दो अलग सूट चाहिए कि आप मेमने के विवाह के भोज में शामिल हो सके, सबसे पहले आपको यीशु मसीह की धार्मिकता की जरूरत है/ एक दिन मैं अपने दोस्त को सुसमाचार बता रहा था, उसने कहा मुझे यीशु पर विश्वास करने की क्या जरूरत है, और इसका जवाब है कि जब तक आप परमेश्वर जितने सिद्ध न हो जाए आप स्वर्ग में नही जा सकते हैं, हम में से कोई भी परमेश्वर जितना सिद्ध नही है/ जब हम यीशु मसीह पर विश्वास करते है तो उसकी धार्मिकता प्राप्त करते हैं, जैसे ये इस गीत के शब्द कहते हैं, कि केवल उसकी धार्मिकता के वस्त्र पहने हुए हम सब सिंहासन के सामने खड़े हैं, और जब हम वहां होते हैं तो हम संतों के धार्मिकता के कामों से ढांके जाते हैं, जॉन, हम प्रतिदिन यही कर रहे हैं कि हम एक वस्त्र बून रहे हैं, जो हम मेंमने के विवाह के भोज में पहननेवाले हैं, देखिए उद्धार के पहले हमारे काम परमेश्वर की दृष्टी में कुछ नही थे, लेकिन उद्धार के बाद वो परमेश्वर के लिए बहुत बहुत मूल्यवान हैं, और वो बहुत बहुमूल्य है तो हमारे पास आज सौभाग्य है कि उस घटना के लिए तैयारी कर सके, ये जानना जरूरी है कि आज मैं जैसे जी रहा हूँ, वो मेमने के विवाह के भोज में मैं जो वस्त्र पहनूंगा उसमें योगदान देगा, ये संतों केधार्मिकता के काम हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब ये सबसे महत्वपूर्ण सवाल है, कि क्या ये हर विश्वासी के लिए संभव है, कि मसीह के न्याय आसन के समय कुछ प्रतिफल पाए/ जवाब तो उत्साहित करनेवाला है है, हाँ/ सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: सच्चाई तो ये है कि हम जो भी करते हैं, मसीह के लिए उसका मुल्यांकन किया जाता है, ये उस सूत्र का भाग होता है, लेकिन चलिए मैं आपको ये कहते हुए उत्साहित करुँ यीशु ने कहा, यदि मेरे नाम से कोई एक ग्लास पानी भी देता है तो वो अपना प्रतिफल नही खोएगा, मुझे याद है एक दिन मैं अपने दोस्त के घर गया था, कि कुछ दे सकूं, और वो बहन दरवाज़े तक आई और उसके आँखों से आंसू बह रहे थे, उन्होंने कहा, मुझे माफ कीजिए, आप मेरे डिवोशन के समय आए हैं, मैं हर सुबह अपने परिवार के लिए प्रार्थना करते हुए समय बिताती हूँ, अब जॉन, ये धार्मिकता के काम का उदाहरण है, याने ऐसा कोई जिसके बारे में कोई नही जानाता, वो प्रभु यीशु मसीह की सेवा करते हैं, और सेवक होने के नाते वो उसके लिए हर संभव काम करते हैं, ये तो इस तरह के काम हैं, जो हमें यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होने के लिए तैयार करते हैं, और ये जानते हैं कि वो उसे अनदेखा नही करेगा, चलिए मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ, कि बाइबल कहती है, हर मनुष्य परमेश्वर से प्रतिफल पाएगा, जॉन मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर कॉस्मिक इंटरनेट खोजेगा, और वो हम सब के जीवन में कुछ पाएगा, जिसकी वो हमें आज्ञा देता है और उसके लिए प्रतिफल देगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने अब तक हमने चर्चा की कि विश्वासी मसीह के न्याय आसन के सामने क्या पाएगा/ क्या ये संभव है कि आप विश्वासी के नाते प्रतिफल और सौभाग्य खो दे, मसीह के न्याय आसन के सामने? और ये नुकसान सारे अनन्तकाल तक आप पर प्रभाव डालेगा/ मैं चाहता हूँ कि आप सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, हमने चर्चा की है कि हम कौनसी महिमा पा सकते हैं, यदि विश्वास योग्य रहे तो यीशु मसीह के साथ राज्य करेंगे, विजयी होगे, और जानते हैं, मैं अनुमान से कहता हूँ कि बहुत से लोग जयवंत होना चाहते हैं, क्योंकि हम नही चाहते कि कोई हम पर जयवन्त हो, लेकिन परमेश्वर हमें परीक्षा और मुश्किलें इसलिए देता है, कि ह जयवन्त और यीशु मसीह के साथ राज्य करें, लेकिन जैसे हमने चर्चा की कि हमें कौनसी महिमा विजय में मिलेगी, कहे तो,कि हम क्या पेगे लेकिन बाइबल में चेतावनी डी है कि हम क्या खो सकते हैं/

पौलुस के शब्दों को ध्यान से सुनिए, यदि कोई इस नींव पर सोना या चान्दी या बहुमूल्य पत्थरया काठ या घास या फूस का रद्दा रखे, तो हर एक का काम प्रकट हो जाएगा, क्योंकि वः दिन उसे बताएगा, इसलिए कि आग के साथ प्रकट होगा और वह आग हर एक का काम परखेगी कि कैसा है/ जिसका काम उस पर बना हुआ स्थिर रखेगा, वह मजदूरी पाएगा, यदि किसी का काम जल

जाएगा, तो वह हानि उठाएगा,पर वह आप बच जाएगा, परन्तु जलते-जलते

जॉन, यहाँ कल्पना है कि कोई घर जल रहा है, और मनुष्य घर से बाहर भागता है, वो बच जाता लेकिन उसके पीछे सब गिर जाता है, यीशु यही कह रहा है रु वो प्रेरित पौलुस द्वारा कह रहा है, खासकर चर्च के अगुवों से, परन्तु ये हम सब के लिए उपयोग है, कि ये संभव है कि लकड़ी, घास और सरकंडों पर जीवन बनाए/

अब यहाँ दो तरह की चीज़े बताई गई हैं, वो कितने अलग है, आप अपने हाथों में सोना, चान्दी और कीमती पत्थर रख सकते हैं, जो कि पुरे खेत से ज्यादा कीमती हैं, जिसमे लकड़ी, घास और सरकंडा हैं/ याने हम क्या करते हैं ये उसकी संख्या के बारे में नही है, लेकिन गुणवत्ता कि क्या ये मसीह के लिए की गई है, क्या ये इसलिए किए गया कि हम उसे प्रसन्न करना चाहते हैं, या ये केवल ऐसा मौका है कि अपनी ही योग्यताओं को दिखाए/ यहाँ इसी महत्वपूर्ण बात पर चर्चा हो रही है, और एक और बात आपको समझनी होगी कि कईबार स्वाभाविक आँखें इस तरह के फर्क को नही पहचान पाएगी/

जॉन, मैं इसे इस तरह सोचता हूँ कि यीशु मसीह हमारे विश्वास में आने के बाद से हमारे कामों को लेता है जिसे हम देख रहे हैं, और उसे आग में फेंकता है और वहां हम देख सकते हैं कि इस में मिलावट की गई है, और असली सवाल ये है कि आग ने सबकुछ जला देने के बाद, क्या बाकी रह गया है, और शायद हम ये खोजे कि हम ये फर्क नही बता पाएगे, कि गंदगी और रत्नों में क्या फर्क है/ लेकिन प्रभु बताएगा/ और आग बताएगी, और शायद हो सकता है कि हमारे काम बदलकर इस तरह के पदार्थ हो, तो ये पूरी तरह से संभव है कि यीशु मसीह हमारा मुल्यांकन करे, हमारे पापों को सीधा देने बिना ही, लेकिन आप और मैं जो भी करते हैं, तो आज एक तो मैं सोना, चान्दी और कीमती पत्थर से बना रहा हूँ, या लकड़ी, और घास- फूस से बना रहा हूँ/ /

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब क्या आपको याद है मत्ती 25 में यीशु ने दृष्टान्त बताया था, कि दासों को उनके स्वामी ने अलग अलग तोड़े दिए थे, कुछ सिक्के उपयोग करने में विश्वासयोग्य थे, और कुछ विश्वासयोग्य नही थे, अब संभव है कि ये दृष्टान्त ये बताए कि कैसे कुछ विश्वासी प्राप्त करेंगे और कुछ मसीह के के न्याय आसन पर प्रतिफल खो देंगे / इसे सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: मैं सोचता हूँ कि हम सबको किसी ऐसे व्यक्ति का चित्र सोचना चाहिए जिसका नुकसान हुआ है, और जब तक कि हम सच में व्यक्ति रूप में न देखे हम इसे अच्छे से नही समझ पाते हैं, अच्छा

होगा कि ज्यादा करीब आ जाए, मत्ती अध्याय 25 से यीशु के उस दृष्टान्त में जहाँ वो बताता है कि लोगों को अलग सिक्के दिए गए, आप कहानी जानते हैं, और एक मनुष्य जो विश्वासयोग्य नही था, उसने अपना सिक्के छिप रखा,क्योंकि उसने सोचा कि यदि मैं दस सिक्केवाला नही हो सकता तो मैं एक सिक्केवाला भी नही रहूँगा, और उसकी मनोदशा बुरी थी, तो उसने इसे जमीन में छिपा दिया/ और उसने उसे लौटाया, और जानते हैं स्वामी इस बात से दू:खी हुआ, उसने क्या खोया? सबसे पहले उसने अपने स्वामी की सहमती खो दी, और सच में स्वामी ने कहा, तुम दुष्ट और आलसी दास, आप कहेगे कि यीशु ऐसा कुछ कहता है विश्वासी से, जो उसका है, जी संभव है, संभव है, जानते हैं, सब नही सुनेंगे कि हे भले और विश्वासयोग्य दास तूने भला किया/

दूसरी बात वो कुछ समय का इनकार महसूस करता है, यीशु ने कहा कि इससे ये सिक्का लेकर वो और किसी को दे दो/ अब अवश्य ही इस दृष्टान्त का अलग तरह से अर्थ बताया जाता है, कुछ लोग सोचते हैं, कि ये विश्वासघाती दास तो विश्वासी नही था, जो इस तरह से अर्थ बताते हैं, मैं उनकी सराहना करता हूँ, मैं सोचता हूँ कि हमें यहाँ एक महत्वपूर्ण पाठ सीखना होगा, और फिर वो मनुष्य अनुशाषित होगा, वो अभी भी दास था, लें वो सबसे महत्वपूर्ण बात खो बैठा, उसे सारे नगरों पर अधिकार नही दिया गया, यहाँ असली उद्देश्य ये नही होना चाहिए कि मुझे बहुत ज्यादा अधिकार चाहिए/ नही, ये स्वामी को प्रसन्न करनेवाला हो, यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने/

मैं चाहता हूँ कि आप जान ले कि युहन्ना ने कहा कि हम इस तरह से जीए कि हम उसके आने पर शर्मिन्दा न हो, और इसे याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है, जानते हैं जॉन, बहुत से लोग सोचते हैं कि मसीह का न्याय आसन महत्वपूर्ण नही होगा, वो क्या सोचते हैं इसके बारे में कारण भी देखे हैं, मैं इसे देखता हूँ कि ये तो किसी के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रेरणा हो सकती है, सच में, मैं यही कहना चाहता हूँ कि यीशु के सामने खड़े होकर उसकी आँखों में देखते हैं, और हम जिस तरह से जीए उसके लिए लेखा देते जाए/ यदि ये हमें विश्वासयोग्यता और पवित्रता के लिए प्रोत्साहित न करे, तो मुझे लगता है कोई और नही का पाएगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आज हम इसी पर चर्चा कर रहे हैं, कि ये प्रतिफल जो आप विश्वासी के नाते, पा सकते हैं या खो सकते हैं, मसीह के न्याय आसन के सामने, आप उद्धार नही खो सकते हैं, लेकिन प्रतिफल खो सकते हैं, ये स्वर्ग में आपके स्थर पर प्रभाव डालेगा, पुरे अनन्तकाल तक, डॉ. अरविन लुथजर सारांश बताते हैं, कि हम विश्वासी के नाते अनन्त काल में प्रतिफल खो सकते हैं, अब विश्वासयोग्य न जीने के कारण/ सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: अब, चलिए इसे सारांश में देखते हैं, कि हम क्या खो सकते हैं, सबसे महत्वपूर्ण है कि हम अपने स्वामी की सहमती खो सकते हैं, कुछ विश्वासी नही सुनेगे कि तुमने अच्छा काम किया, संभव है कि शायद हम मसीह के साथ राज्य करने के अवसर को भी खो दे/ क्योंकि राज्य करने की सारी प्रतिज्ञाएँ, प्रभुराज्य में राज करने के बारे में, ये शर्त के साथ हैं, यदि तुम मेरे साथ दू:ख उठाएंगे, तो मेरे साथ राज्य भी करोगे/ जो जयवंत होगा उसे मैं अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठने दूंगा/

तीसरी बात, हम बहुत ही ख़ास सौभाग्य को भी भुला सकते है, आप प्रकाशितवाक्य की किताब पढिए, बार-बार ये कहता है कि जो जयवंत होता है उसे मैं दूंगा, और फिर आशीष देता है, ये स्वामी के साथ नजदीकी के बारे में कहता है, मैं तुम्हें एक पत्थर दूंगा जिसे पर तुम्हारा नाम होगा/ मैं तुम्हें छिपा मन्ना दूंगा, इन सारी प्रतिज्ञाओं का संबन्ध सौभाग्य से है, कि यीशु मसीह से नजदीकी रखे, ये सब खो सकते हैं, और इसलिए मैं आपको प्रोत्साहित करता है कि आज ही शुरू करें यदि आप पुरे दिल से यीशु के लिए नही जी रहे तो अभी जीए, क्योंकि हम उसे लेखा देंगे/

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाउनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र्‌ द्यद ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्डद्मद्रद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्‌.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2016 ऋच्ङक्ष्